इकाई - I

1. साथी हाथ बढ़ाना

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. हमें दूसरों की सहायता क्यों करनी चाहिए?
3. तुम किनकी सहायता करना चाहोगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

not to be republished © SCERT

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनतवालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाँहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना।
मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना
कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना
अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल, अपना रस्ता नेक
साथी हाथ बढ़ाना।

एक से एक मिले तो
कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो
ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो
राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो
इंसाँ, बस में कर ले किस्मत
साथी हाथ बढ़ाना।

❑ *साहिर लुधियानवी*

© NCERT not to be republished

सुनिए–बोलिए

1. 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने शीश झुकाया।' इस तरह का काम कब संभव हो सकता है?
2. कवि ने बताया है कि मिलजुलकर काम करने से कठिन काम भी सरल हो जाता है और हमें सफलता भी मिलती है। आप इस बात पर अपने विचार दीजिए।
3. गीत में सीने और बाँहों को फौलादी क्यों कहा गया है?

पढ़िए

1. नीचे दिये वाक्यों में गीत के जिस अवतरण का भाव आया है, उसे लिखिए।

हमें मेहनत करने से नहीं डरना चाहिए। जब हमारा देश गुलाम था तब भी हम मेहनत करते थे। लेकिन हमारी मेहनत का फल दूसरे ले जाते थे। अब हमारा देश आज़ाद है। इसलिए हमें मेहनत करके अपने देश को आगे बढ़ाना है। अब हम सबका सुख–दुख एक है। हम सबकी मंज़िल एक ही है। वह है– सच्चाई और सबकी भलाई।

लिखिए

1. कुछ लोग परिश्रम में विश्वास करते हैं और कुछ किस्मत में..। आपका क्या विचार है?
2. 'साथी हाथ बढ़ाना' गीत से क्या सीख मिलती है?
3. एकता से कठिन काम भी सरल क्यों हो जाता है? उदाहरण देते हुए लिखिए।
4. अपने आसपास तुम किसे 'साथी' मानते हो और क्यों? इससे मिलते-जुलते कुछ और शब्द खोजकर लिखिए।
5. 'अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक'
   कक्षा, मोहल्ले और गाँव / शहर के किस-किस तरह के साथियों के बीच तुम्हें इस वाक्य की सच्चाई महसूस होती है और कैसे?
6. इस गीत को तुम किस माहौल में गुनगुना सकते हो?
7. 'एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना'–
   (क) तुम अपने घर में इस बात का ध्यान कैसे रख सकते हो?
   (ख) पापा के काम और माँ के काम क्या-क्या हैं?
   (ग) क्या वे एक-दूसरे का हाथ बँटाते हैं?
8. यदि तुमने 'नया दौर' फ़िल्म देखी है तो बताओ कि यह गीत फ़िल्म में कहानी के किस मोड़ पर आता है? यदि तुमने फ़िल्म नहीं देखी है तो फ़िल्म देखो और बताओ।

© SCERT not to be republished

शब्द भंडार

1. ● अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।
   ● एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं।

   (क) ऊपर लिखी कहावतों का अर्थ गीत की किन पंक्तियों से मिलता-जुलता है?

   (ख) इन दोनों कहावतों का अर्थ कहावत-कोश में देखकर समझो और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

2. नीचे हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे दिए हैं। इनके अर्थ समझो और प्रत्येक मुहावरे से वाक्य बनाओ–

   (क) हाथ को हाथ न सूझना

   (ख) हाथ साफ़ करना

   (ग) हाथ-पैर फूलना

   (घ) हाथों-हाथ लेना

   (ङ) हाथ लगना

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

■ एक छोटी-सी कहानी लिखिए, जिसमें एक-दूसरे को सहयोग करने की घटना हो।

प्रशंसा

■ मानवता, भाईचारा एवं सहयोग की भावना बढ़ाने के लिए हमें क्या करना चाहिए। अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

1. हाथ और हस्त एक ही शब्द के दो रूप हैं। नीचे दिए शब्दों में हस्त और हाथ छिपे हैं। शब्दों को पढ़कर बताओ कि हाथों का इनमें क्या काम है–

हाथघड़ी	हथौड़ा	हस्तशिल्प	हस्तक्षेप
निहत्था	हथकंडा	हस्ताक्षर	हथकरघा

© SCERT not to be republished

2. इस गीत में परबत, सीस, रस्ता, इंसाँ जैसे शब्दों के प्रयोग हुए हैं। इन शब्दों के प्रचलित रूप लिखो।

3. 'कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना'–
इस वाक्य को गीतकार इस प्रकार कहना चाहता है–
(तुमने) कल गैरों की खातिर (मेहनत) की, आज (तुम) अपनी खातिर करना।
इस वाक्य में 'तुम' कर्ता है जो गीत की पंक्ति में छंद बनाए रखने के लिए हटा दिया गया है। उपर्युक्त पंक्ति में रेखांकित शब्द 'अपनी' का प्रयोग कर्ता 'तुम' के लिए हो रहा है, इसलिए यह सर्वनाम है। ऐसे सर्वनाम जो अपने आप के बारे में बताएँ निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। (निज का अर्थ 'अपना' होता है।) निजवाचक सर्वनाम के तीन प्रकार होते हैं जो नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित हैं–

- मैं अपने आप (या आप) घर चली जाऊँगी।
- बब्बन अपना काम खुद करता है।
- सुधा ने अपने लिए कुछ नहीं खरीदा।

अब तुम भी निजवाचक सर्वनाम के निम्नलिखित रूपों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

अपने को	अपने से	अपना
अपने पर	अपने लिए	आपस में

परियोजना कार्य

- बातचीत करते समय हमारी बातें हाथ की हरकत से प्रभावशाली होकर दूसरे तक पहुँचती हैं। हाथ की हरकत से या हाथ के इशारे से भी कुछ कहा जा सकता है। नीचे लिखे हाथ के इशारे किन अवसरों पर प्रयोग होते हैं? लिखिए–

'क्यों' पूछते हाथ	मना करते हाथ	समझाते हाथ
बुलाते हाथ	आरोप लगाते हाथ	चेतावनी देते हाथ
	जोश दिखाते हाथ	

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. गीत गा सकता हूँ। सुना सकता हूँ। भाव बता सकता हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. इस स्तर के गीतों का भाव सहित व्याख्या कर सकता हूँ।		
4. गीत के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. गीत के शब्दों से नयी कविता लिख सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished